[This question paper contains 4 printed pages.]

1362 *आपका अनुक्रमांक* .....

B.A. (Hons.) बी. ए. (ऑनर्स) / I **D**

HINDI – Paper II

हिंदी – प्रश्नपत्र II

(भक्ति काव्यधारा)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 38*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ओझरी की झोरी काँधे, आँतनि की सेल्ही बाँधे,
मूँड के कमंडलु, खपर किएँ कोरि कै।
जोगिनी झुटुंग झुंड-झुंड बनी तापसी सी,
तीर-तीर बैठीं सो समर-सरि खोरि कै।
सोनित सों सानि सानि गूदा खात सतुआ से,
प्रेत एक पियत बहोरि घोरि घोरि कै।
'तुलसी' बैताल भूत साथ लिए भूतनाथ, (5)
हेरि हेरि हँसत हैं हाथ हाथ जोरि कै। (134)(छप्पै)

P.T.O.

अथवा

एहि घाटतें थोरिक दूर अहै कटि लौं जलु-थाह दिखाइहौं जू।
परसे पगधूरि तरे तरनी, घरनी घर क्यों समुझाइहौं जू।
'तुलसी' अवलंब न और कछू, लरिका केहि भाँति जिआइहौं जू।
बरु मारिए मोहिं, बिना पग धोए हौं नाथ न नाव चढ़ाइहौं जू।।

(ख) मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज को पंछी फिरि जहाज पर आवै।।
कमल नैन के छाँड़ि महातम और देव को ध्यावै।
परम गंग को छाँड़ि पियासो दुरमति कूप खनावै।।
जिन मधुकर अंबुज रस चाख्यो क्यों करील फल खावै।
'सूरदास' प्रभु कामधेनु तजि छेरी कौन दुहावै।।

अथवा

मैया कबहिं बढ़ैगी चोटी।
किती बार मोहि दूध पिवत भई यह अजहूँ है छोटी।।
तू जो कहति बल की बेनी ज्यों ह्वै है लाँबी मोटी।
काढ़त गुहत न्हवावत ओंछत नागिन सी मुँइ लोटी।।
काचो दूध पिवावत पचि पचि देत न माखन रोटी।
'सूर' स्याम चिरजिव दोउ भैया हरि हलधर की जोटी।। (5)

(ग) राम नाम कै पटंतरै, देबे को कछु नांहिं।
क्या लै गुरु संतोखिए, हौंस रहि मन मांहिं।।

हिरदै भीतरि दौं बलै, धुवां न परगट होइ।
जाकै लागि सो लखै, कै जिहिं लाई सोइ।।

अथवा

प्रेम प्रीति सुखनिधि के दाता। दुइ जग एकोंकारि विधाता।
बुधि प्रगास नाही तुअ ताई। तुअ अस्तुति जे करौं गोसाई।
तीनि भुअन चहुं जुगत तैं राजा(?)। आदि अंत जग तोहि पै छाजा।
पंडित मुनिजन ब्रह्म बिचारी। तुअ अस्तुति जग काहुं न सारी।
एक जीभि मैं कैसे सारौं। सहस जीभि चहुं जुग नहि पारौ।
तीनि भुअन घट घट महं अनबन रूप बेलास।
एक जीभि कहु ताहि कै कैसे अस्तुति करै हवास।।

(4)

2. कवितावली के आधार पर तुलसीदास के आराध्य के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

अथवा

कवितावली के आधार पर तुलसीदास की भाषा का विवेचन कीजिए।

(8)

3. कबीरदास की भाषा पर विचार कीजिए।

अथवा

'कबीरदास की साखियाँ उनकी सामाजिक चेतना को उद्घाटित करती हैं' इस कथन की समीक्षा कीजिए। (8)

4. सूरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूफी काव्यधारा की विशेषताओं के आधार पर 'मधुमालती' के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए। (8)